ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Press Briefing **01 Feb, 2024**

Dr Abhishek Manu Singhvi, MP and CWC Member and Shri Saptagiri Sankar Ulaka, MP addressed the media at Vijay Chowk, today.

डॉ० अभिषेक मनु सिंघवी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दोस्तो, धन्यवाद। झारखंड के विषय में, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विषय में बहुत महत्वपूर्ण कानूनी, राजनीतिक मूल मुद्दे उठते हैं। पहली बात, मैं कानूनी पक्ष पर कोई खास टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि मैं खुद पेश होकर आया हूं उच्चतम न्यायालय में, जिन्होंने कल के लिए मामला निश्चित किया है, लगाया है कोर्ट में, तो इसलिए मैं उस विषय में बहुत कम, नहीं के बराबर बोलूंगा, लेकिन इसका जो राजनीतिक आयाम है, वो पहले मैं आपको अवगत कराऊं।

एक बहुत ही भद्दा, घिनौना, भर्त्सना योग्य और सब चीजें अगर आप भूल जाएं तो ये सर्वविदित है कि लगभग, मैं approximate दे रहा हूं, 48 या 47 का बहुमत सरकार को है वहां पर, सत्तारूढ़ पार्टी को। 48 मान लें, 47 मान लें, कोई फर्क नहीं पड़ता। सब कुछ मान लें, विपक्ष की तरफ से झारखंड में तो 32 है, 31 है, 33 है कुछ भी मान लें फिगर, कोई फर्क नहीं पड़ता वहां पर।

अब जब कल वाले जो मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने बाद में इस्तीफा दिया और जाकर राज्यपाल के भवन में औपचारिक रूप से कहा और उसके बाद सूची दी गई और सूची के अलावा सर्वविदित है, सबको पता है कि ये बहुमत है 48 या 47 का।

तो मेरा पहला मूल प्रश्न है कि गणतंत्र युक्त लोकतंत्र में आज हम 12:00 बजे, 11:30 बजे यहां खड़े हैं, माननीय राज्यपाल जी ने अभी तक क्यों नहीं नियुक्त किया मुख्यमंत्री? क्यों नहीं किया, ये देश, जनता जनार्दन पूछ रही है, आपसे। एक बड़ा सरल प्रश्न है और इसका उत्तर है सत्तारूढ़ पार्टी, केन्द्र और विपक्ष पार्टी झारखंड का सन्नाटा।

दूसरा प्रश्न, झारखंड से बिहार कितना दूर है, बॉर्डर्स जुड़ते हैं, लगते हैं, उसी प्रदेश के बाद में बना था झारखंड। बिहार में जब अभी हुआ माननीय नीतीश बाबू के साथ, माननीय

पलटू कुमार जी के साथ, तो कितनी जल्दी राज्यपाल जी ने वापिस एक मुख्यमंत्री नियुक्त किया। कितना समय लगा था-चंद मिनट, चंद क्षण। ये आपके सामने एक प्रत्यक्ष प्रमाण, एक हफ्ता भी नहीं हुआ, उस बात को।

नंबर तीन, आप इंतजार क्यों कर रहे हैं? माननीय प्रधानमंत्री के ऑफिस और गृह मंत्रालय से इंस्ट्रक्शन्स का इंतजार कर रहे हैं?

आप ये इंतजार कर रहे हैं, ये चौथा एक प्रश्न है बहुत महत्वपूर्ण कि किस प्रकार से येन-केन-प्रकारेण, कुछ भी करके अंग्रेजी में कहावत है Hook or by crook, more by crook and less by hook. आप दल-बदली करवाएंगे। आप 47 और 33 के आंकड़े को बदलकर कुछ और करेंगे। वैसे देश को इसमें बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि सबसे सुप्रसिद्ध, विश्व में, भारत में नहीं विश्व में अखिल भारतीय स्तर पर जो विश्वविद्यालय बनाया गया है बीजेपी द्वारा, वहां सिर्फ दो डिग्रीज़ दी जाती हैं- एक पीएचडी और एक पोस्ट डॉक्टरल। पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरल दी जाती हैं- बहुमत की सरकारों को गिराना कैसे है और अल्प मत के लोगों के द्वारा सरकार बनाना कैसे है। तो क्या आप उस विश्वविद्यालय की शोध और पोस्ट डॉक्टरल शोध का इस्तेमाल करने के लिए समय खरीद रहे हैं, माननीय राज्यपाल के जरिए?

नंबर पांच, या फिर आप राष्ट्रपति शासन की बात कर रहे हैं? कुछ भी हो जाए, इस देश में कोई विपक्ष की सरकार, कोई राजनीतिक रंग, जो भगवा के अलावा हो, वो रहना नहीं चाहिए। अगर रहेगा तो हम केन्द्र से और हम, बीजेपी की स्टेट यूनिट्स, ये आश्वस्त करते हैं, जनता जनार्दन, देश को कि कम से कम इस बार चुनाव के पहले ही हम 99 प्रतिशत राजनीतिक पार्टियों के लोगों को या तो अरेस्ट कर लेंगे या हटा देंगे या दल-बदल द्वारा सरकारें गिरा देंगे।

आज 75वें वर्ष, आप हर दिन इतने भाषण देते हैं अमृत काल के, उस अमृत काल की परिभाषा आपने, उस न्यू इंडिया, नवीन इंडिया की परिभाषा ये कर दी है, गौरवशाली विश्व का सबसे बड़ा गणतांत्रिक देश है।

सातवां, क्या आप इतना घबरा गए हैं उस सुनामी से, जिसका नाम है, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' कि आपके पुराने, सुप्रसिद्ध तौर-तरीके, षडयंत्र द्वारा सरकारें गिराने की और ज्यादा अधिक गति और दिशा पकड़ लिए हैं।

ये किस प्रकार की चीजें हो रही हैं, एक गौरवशाली गणतंत्र और संविधानिक गणतंत्र में? आज तक, एक दिन कहां से निकल गया माननीय राज्यपाल को नई सरकार बनाने का। मैं अभी आपको उच्चतम न्यायालय के सामने जो पक्ष हमने दिया है उसकी बात नहीं करूंगा, क्योंकि उसमें हमने कई और आरोप लगाए हैं, क्योंकि वो कल आ रहा है और मैं खुद पेश हो रहा हूं, इसलिए मैं वो अनुशासन के अंतर्गत काम करूंगा। उसमें कई और चीजें कहीं गई हैं, सिर्फ ग्राउंड्स बोल रहा हूं, मैं कोई उसके बारे में, निर्णय के बारे में नहीं बोल रहा हूं।

किस प्रकार कल माननीय उच्च न्यायालय ने इतनी जल्दी आदेश दिया 8 और 9 बजे के बीच में कि आज वो मामला लिस्ट हो और 9 बजे किस प्रकार हमारे वकीलों ने ईडी को इसका इंटीमेशन दिया, सूचना दी और उसके बाद 10 बजे कोई व्यक्ति जाता है राज्यपाल के घर में और वहां पर आप अरेस्ट कर लेते हो उसको, ये बात जानने के बाद की आज मामला लगा है। वो सब चीजें हम कल कोर्ट में बात करेंगे।

जैसे मैंने कहा कि मैं यहां बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन मूल मुद्दा है कि इस प्रकार से गणतंत्र की हत्या जो आप दिन-प्रतिदिन कर रहे हैं, उसकी कोई न कोई जवाबदेही तो होगी और आपके जरिए देश जवाबदेही मांग रहा है, हम मांग रहे हैं और हम ये कहेंगे कि आज जो आपने पार्टनरशिप की है एजेंसियों के साथ, जो आपने दुरुपयोग किया है संस्थाओं पर प्रहार करके, जो आपने एजेंसीज को अपना एक पपेट तो क्या कहें, उससे भी नीचे एक स्लेव बना दिया है। जिस प्रकार से आज आप हर चीज में किसी प्रकार के गणतांत्रिक विरोध का अंत करना चाहते हैं इस देश में, ये मूल मुद्दे देश के सामने हैं, ये मूल मुद्दे उच्चतम न्यायालय के सामने हैं और हम, कल वापिस आपसे बातचीत करेंगे, इस विषय पर।

Dr. Abhishek Manu Singhvi said- Had Hemant Soren joined the NDA, there would have been a different scene. He would have been washed through BJP's washing machine. You noticed the rhyme between scene and machine. The BJP has established the world's most world-renowned university on an All-India basis, which gives only PhD's and Post Doctorals on one theme alone, how to topple elected governments, how to convert majorities into minorities, how to encourage defections, how to create inducements.

Number two, the BJP has created an authoritarian, absolutist and autocratic system in the world's largest democracy, they brook of no opposition.

Let me tell you the latest in this multi edition serial. I want to ask a fundamental constitutional legal question for which we have only received stunning silence for the last 18 odd hours.

Yesterday, in the Jharkhand Assembly, where the whole world knows that the figures are roughly 48 or 48 majority and roughly 33, 32 opposition. After the Hon'ble Chief Minister had submitted his resignation to the Governor and a new Chief Minister with the numbers known was proposed, why has the Governor been paralyzed into inaction for the last 18 hours?

A whole day will be over shortly. Why- No answer, eloquent silence.

Number two, hardly, a week ago in neighboring Bihar, where the borders touch, how quickly did the Governor swear in, Hon'ble Mr. Paltu Ram for the ninth time? How much time did he take- A few seconds, a few minutes vs 18 hours till today, as we speak.

Number three, what kind of Einstein formula, arithmetic is the Governor applying to calculate a self-evident fact, given to him in writing with signatures- 48 vs 32 or 48 vs 33? Does it require rocket science to calculate that?

Number four, what is the explanation for this delay, except silence? Are you waiting for instructions from the Prime Minister's office or the Home Minister's office or are you waiting to employ every possible way by hook or by crook and more by crook and less by hook to get MLA's to change sides, to offer inducements to do horse trading, because this is clearly your definition of 'New India', this is your vision of the 75th Amrit Kaal?

My sixth question, are you waiting to impose Presidents' rule to remove a democratically elected government, because you cannot see any other political colour in India?

The Nation wants to know- what the Hon'ble Prime Minister and what the Hon'ble Home Minister are thinking, because that alone counts, not the Governor's, not elected Chief Minister's, not MLAs', not Constitutional functionaries. This is a moment of reckoning in this country. You are trying to, not that you will succeed, ensure that this is an 'Opposition Mukt Bharat' before the elections? Are you trying to ensure that this is a 'Virodh, Protest Mukt Bharat'? Are you trying to ensure that no other voice is heard? One day, you suspend 150 odd MPs, another day, you do these tactics by enrolling as your dearest partner, all the agencies of this government.

I think it is a sad day for India. I am not speaking about the court and the legal aspects of this matter since I am appearing as counsel and the matter has been kindly fixed by the Hon'ble Supreme Court for tomorrow.

There are other issues raised there etc, which we will not discuss now, which will come tomorrow as to how an arrest happen at 10 O' clock, when the ED were notified of the matter listed today morning, notification may at 9 O'clock etc. but this raises fundamental issues and let me tell you, I will have much to say tomorrow, when I meet you after the Supreme Court hearing, but the issues, I have raised are relating to the realm of the Governor, to the political class, to society, to our democratic polity, to the Constitution of India and we would like to shock the conscious of the nation through you.

Thank You!

श्री सप्तगिरि उलाका ने कहा कि आदरणीय अभिषेक मनु सिंघवी जी और मेरे प्रेस के मित्रों, अभी जो झारखंड में हुआ है, ये आप देखोगे तो थोड़ा इतिहास में जाइए, झारखंड की जो जनता ने पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ में वोट दिया था, कांग्रेस और जेएमएम को, उसका मुख्य कारण था कि जो भाजपा की सरकार है, वो सरकारी जगह को, आदिवासी जगह को लैंड बैंक करके अपने पूंजीपति दोस्तों को देना चाहते हैं। ये आदिवासियों की लड़ाई है, जल, जंगल, जमीन इसी की लड़ाई है और ये सरकार जो केंद्र की सरकार है, लगातार जो कॉस्टियूंशनली चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, उनको जिस तरह से बेइज्जत करके, प्रताड़ित करके एक संविधान के तहत चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ इस तरह की घटना की है, इसके पीछे जो षड़यंत्र है, वो जमीन का ही मामला है।

छत्तीसगढ़ में भी देखें जैसे ही भाजपा की सरकार आई है, हसदेव में माइनिंग की एक्टिविटी फिर से चालू हो गई है। आप सबको याद होगा जो कन्हैया लाल भील का मर्डर केस हो या सुरेंद्र चौहान ने जो आदिवासी परिवार का कत्ल किया था, मारे थे या फिर अनेक एट्रोसिटी जो आदिवासी के खिलाफ होते आ रहे हैं, ये सरकार द्वारा बिल्कुल एक रूप से इनका एक षड्यंत्र है कि आदिवासियों को कैसे नीचा दिखाया जाए, आदिवासियों को कैसे सत्ता में रहने ना दिया जाए और छल, बल, कपट से वो कैसे हम लोगों की चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं।

हम देखते आ रहे हैं 2014 से जबसे भाजपा की सरकार केंद्र में आई है, वो लैंड एक्विजिशन बिल को डायल्यूट करने की कोशिश की है। फॉरेस्ट राइट एक्ट को डायल्यूट करने की कोशिश की है। जो आदिवासी लोग अपने जल, जंगल, जमीन के लिए दावे करते आ रहे हैं, उसका भी रिजेक्शन रेट बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अभी जो 146 सांसद सस्पेंड हुए थे, इन्होंने ने, इस सरकार ने एनवायरमेंट फॉरेस्ट कंजर्वेशन एक्ट अमेंडमेंट बिल पारित किया, जिससे कि जंगल की परिभाषा ही बदल दी इसने। इससे बड़े-बड़े प्रोजेक्ट अभी बिना ग्राम सभा के अनुमति से ये लोग अपने लैंड एक्विजिशन कर सकेंगे।

फैक्ट्री, स्कूल का निर्माण कर रहे हैं, जहाँ पर माइनिंग माफिया लोग प्राइवेट स्कूल आदिसावियों को पढ़ाकर अपने गांव से दूर लेकर शहरों में पढ़ाए जाए। इस तरह की अनेक घटनाएं जिसकी हम निंदा करते हैं और महामहिम राष्ट्रपति कल पहली बार पार्लियामेंट में बोली। आपको याद होगा जब पार्लियामेंट का उद्घाटन हुआ तब, एक आदिवासी महामहिम राष्ट्रपति को भी बुलाया नहीं गया था। ये सब चीज हैं, जो हम सोचते हैं कि आदिवासी समाज में डायरेक्ट अटैक है, जिसकी हम निंदा करते हैं, खंडन करते हैं। हम चाहते हैं कि जनता इनको ठीक जवाब दे और जो लीगल इशू हैं, ये सिंघवी जी ने बोले हैं, परंतु ये आदिवासी समाज की तरफ से, हम आदिवासी सांसद की तरफ से इस चीज का खंडन करते हैं, निंदा करते हैं सरकार की। जिस प्रकार से एक आदिवासी मुख्यमंत्री को इस तरह से वो लोग करके उनको सत्ता से हटाने की कोशिश की गई है।

एक प्रश्न पर कि सरकार बचाने के लिए जैसा आप लोग आशंका जता रहे हैं कि राष्ट्रपति शासन या दूसरे तरीके से सरकार बनाने की कोशिश की जा सकती है, क्या विधायकों को झारखंड के बाहर शिफ्ट करने की कोई रणनीति है? डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि देखिए, हमारी रणनीति एक अलग चीज है, ना हमें वो शेयर करने की आवश्यकता है। रणनीति बनाने की आवश्यकता क्यों हुई, ये पूछना चाहिए। आप ऐसे आघात करते हैं हमारे ऊपर, आप हमारे सांसदों और एमएलए के पीछे भागते हो कि उनकी दलबदली कराओ और फिर रणनीति हम बताएं आपको। तो ये तो गणतंत्र की एक मूल तत्व की बात है और ये आप पहली बार नहीं देख रहे हैं। मैंने आपको बोला विश्व का सबसे सुप्रसिद्ध विश्वविद्यालय है। ये विश्वविद्यालय का ब्रांच कर्नाटका में भी है, मध्य प्रदेश में भी है, अखिल भारतीय स्तर पर कई प्रदेश हैं, नॉर्थ ईस्ट में कई प्रदेश हैं, तो ये कब तक चलेगा? बेशर्मी की हद है ये। राजनीतिक मोटी चमड़ी की ये हद है।

On another question, Dr. Abhishek Manu Singhvi said- Exactly! I am very happy that you have given these details. This is exactly what I just now said, I didn't take these names. Why is the Governor procrastinating like Nero fiddling, while the state waits for a Chief Minister and at the same time the three names, you have taken, are rushing hot haste to the capital, why?

This orchestration, you think, is not from the Prime Minister's office or the Home Minister's office? You think, it's a coincidence that they are going to see the scenery of Jharkhand suddenly and is it not blatant that a man, who has 48 and I have 32, or 48 and 33 stakes' claim with the whole list signatures yesterday, almost a day has passed, and the Governor is doing what- waiting

for these people to tell him what to do? This is a shame and these details many more will come out.

On another question, Dr. Abhishek Manu Singhvi said- See! I would have discussed it as laughable, were it not tragic. I am only responding because these kinds of incidents have a tragic color to it. I would never agree with you on a hundred issues, I may not agree with Mr. Aiyar, not his daughter, no other people. So, that is not the issue at all.

How can I not allow your right to disagree with me and how what legality and what Constitutionality is there, if I tell him to get out of his colony, or he tells me to get out of his colony because he doesn't like my face, he doesn't like, what I wear, he doesn't like what I say. This is the definition of 'New India' we are scared of, this is the approach to '75th Amrit Kaal', which I think every right-thinking citizen should be terrified of and this has nothing to do with whether that lady is right or wrong? I may not agree with her at all, that's not the issue at all. They will deliberately try to mix it with that issue. He has a full right to disagree with me. Every neighbor disagrees with each other. Can one neighbor tell the other to get out the house?

Sd/-
Secretary
Communication Deptt.
AICC